कीर्तन के कुछ अंश:

Kirtan notes (29/8/18)

मै आदि जन्म का तुम्हारा, गौर हरि तू करुणा का भंडारा

अरज मेरी मंजूर रहे तुम्हारे चरणों मे, गुरुदेव

जीवन की डोरी छोड़ दी तुम्हारे चरणों मे

गुरुदेव तुम्हारे हाथों में....

आंखों में तुम्हारा ध्यान रहे, चिंतन रहे तुम्हारे चरणों का।

अंत समय की अरज है।

बार बार विनती करता हूँ, और आगे तुम्हारी मर्जी है

प्रेम सदा भरपूर रहे , तुम्हारे चरणों मे।

अर्जी मेरी मंजूर रहे तुम्हारे  चरनों में।

जे अनिलो प्रेम धन , करुणा प्रचूर